

राजाजी टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों

मुख्य वन्यजीव वार्डन के अनुसार, कॉरबेट टाइगर रज़िर्व से [राजाजी टाइगर रज़िर्व](#) में स्थानांतरित की गई एक बाघनि ने चार शावकों को जन्म दिया है।

मुख्य बर्तु:

- यह बाघनि [कॉरबेट टाइगर रज़िर्व](#) से राजाजी टाइगर रज़िर्व में स्थानांतरित की गई तीन बाघनियों में से एक है।
- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान [हमाचल प्रदेश और हरयाणा](#) सहित अन्य संभावित बाघ आवासों के लिये एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है
- पश्चिमी राजाजी टाइगर रज़िर्व में [दसंबर 2020, जनवरी 2021, मई 2023](#) में चार बाघ, तीन मादा और एक नर का स्थानांतरण किया गया।

राजाजी टाइगर रज़िर्व

- **स्थान:** हरदिवार (उत्तराखंड), शविलकि पर्वतमाला की तलहटी में। यह [राजाजी राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा](#) है।
- **पृष्ठभूमि:** राजाजी राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1983 में उत्तराखंड में तीन अभयारण्यों यानी राजाजी, मोतीचूर और चीला को मिलाकर की गई थी।
 - इसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सी. राजगोपालाचारी के नाम पर रखा गया था; जो लोकप्रिय रूप से "राजाजी" के नाम से जाने जाते हैं।
 - इसे वर्ष 2015 में देश का 48वाँ [बाघ अभयारण्य](#) घोषित किया गया था।
- **मुख्य वशिषतारुँ:**
 - **वनस्पतु:** चौड़ी पत्ती वाले पर्णपाती वन, नदी-वनस्पतु, झाड़युँ, घास के मैदान और देवदार के वन इस पार्क में वनस्पतुयुँ की शृंखला का नरुमाण करते हैं।
 - साल (*Shorea robusta*) वशिषित प्रमुख वृक्ष प्रजातु है।
 - **जीव-जंतु:** यह रज़िर्व बाघ, हाथी, तेंदुआ, हमालयी काला भालू, सलुँथ भालू, सयार, लकड़बगघा, स्पुँटेड डयिर, सांभर, बार्कगु डयिर, नीलगाय, बंदरुँ और पक्षयुँ की 300 से अधिक प्रजातुयुँ सहित सतनधारयुँ की 50 से अधिक प्रजातुयुँ का नवास स्थान है।
 - **नदयुँ:** गंगा और सुँग नदयुँ यहाँ से बहती हैं।